

CLOSE TO

**Fagsamling for KS Bedrift Havn
*Haugesund 22.-23. september 2016***

***Erfaringer fra implementering av
nytt havnedatasystem***

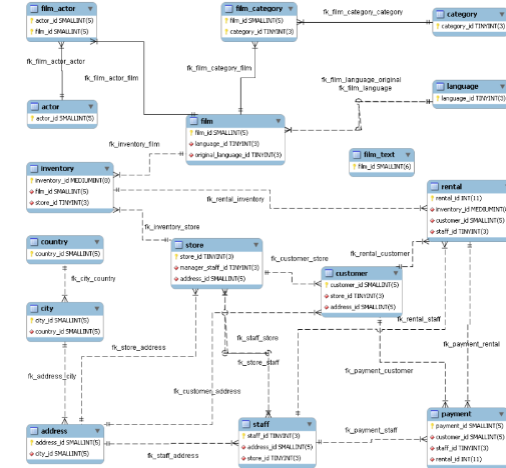
58°58'19.6"N 5°43'37.1"E



Nytt havnedatasystem: hvorfor?

- maskin-til-maskin
- self-service
- mobilitet
- statistikk
 - granulering
 - beslutningsgrunnlag

- ressursbesparende for organisasjonen
- Standarder
- fleksibilitet
- **Lov om Offentlig anskaffelser**



Anbudsprosessen

- **Samarbeidsavtalen** gjelder implementering, drift og vedlikehold av havnedatasystem til Stavangeregionen Havnedrift AS.
- **Anskaffelsen** gjennomføres i henhold til bestemmelser i lov om offentlige anskaffelser av 16.juli 199 nr. 69 og forskrift om innkjøpsregler i forsyningssektoren (vann- og energiforsyning, transport og posttjenester av 7.april 2006 nr. 403 («forsyningsforskriften») del I Alminnelige bestemmelser.
- **Tre kontrakter:**
 - Avtale om kjøp av lisenser og implementering av havnedatasystem til Stavangerregionen Havnedrift AS, basert på SSA-T.
 - Avtale om kjøp av driftstjenester av havnedatasystem til Stavangerregionen Havnedrift AS, basert på SSA-D.
 - Avtale om vedlikehold og service av utstyr og programvare av havnedatasystem til Stavangerregionen Havnedrift AS, basert på SSA-V.
- **Tildelingskriterier**
 - Tildelingskriterier er som følger:
 - Pris 60%
 - Kvalitet på tilbudt ytelse 40 %



Kravspesifikasjonen

- 338 krav som måtte gjennomgås og verifiseres i henhold til tildelingskriterier i tillegg til kvalifikasjonskrav.

Definisjoner av informasjonsfelt i kravspesifikasjon.											
								Fylles ut av tilbyder		Utfylles av havnen	
Hovednivå Nummerert nivå	Undernivå Gradering av nummerering	Spekkdel Spesifisering av innhol i modul eller fagdisiplin.	Beskrivelse av krav Kundens beskrivelse av krav.	A-krav Krav merket med A er krav som i utgangspunktet skal tilfredsstilles. Tilbud som ikke tilfredsstiller ett eller flere A-krav vil kunne bli avvist dersom manglende oppfyllelse av kravene enkeltvis eller samlet må anses vesentlig. A-krav er ikke gjenstand for evaluering. Ikke-oppfyllelse av A-krav som ikke anses vesentlig vil imidlertid kunne medføre poengtrekk i forbindelse med evalueringen av tilbudene.	Fase 1 Fase 1 skal leveres.	Fase 2 Fase 2 skal leveres.	Fase 3 Fase 3 er opsjoner som Kunden kan utløse innenfor en periode på seks år regnet fra kontraktssignering.	Leverandørs løsningsbeskrivelse Detaljert beskrivelse som legges til grunn i vektning av beste løsning. Skal beskrives for fase 1, 2 og 3 krav. For A-krav settes Ja inn.	Leveres i fase 1 Fase 2 krav som leveres i Fase 1. Besvarer med ja eller nei i tillegg til beskrivelsen gitt under Fase 2.	Score Kunden vil legge til grunn en ideell markedsstandard som tilbudene vil bli evaluert opp mot. Markedsstandard utgjør 10 poeng, og tilbyder gis score fra 0 til 10 avhengig av hvor tett opp til markedsstandard svaret er.	Poengsum Sum for alle krav delt på antall krav i fase 1 og 2.



Fremdriftsplaner

Konkurransen

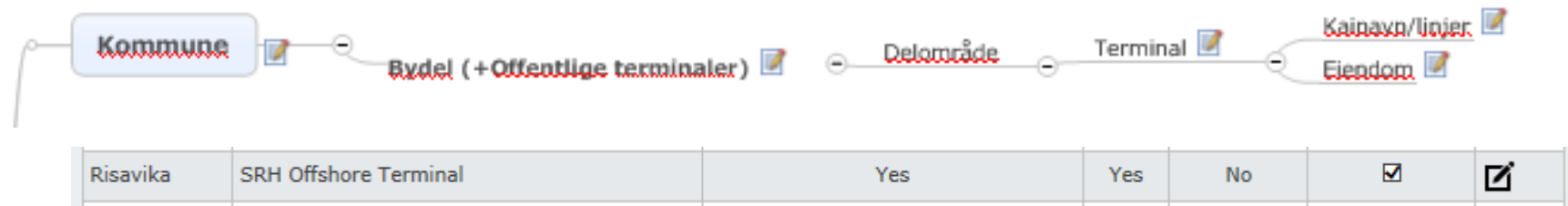
Planlagt uke	Aktivitet
Uke 12	Utsendelse tilbudsinnbydelse
Uke 16 – 20.april kl.1200	Tilbudsfrist
Uke 16 – 20.april kl.12.00	Tilbudsåpning
Uke 16 og 17	Eventuelle forhandlinger
Uke 17	Tildeling
Uke 18	Kontraktsinngåelse

Implementering

Uke 30, 27.juli 2016	Godkjenning-leveringsdag. Verifisering av leveranser fase 1
Uke 52, 31.12.2016	Verifisering av leveranser fase 2
Etter nærmere avtale	Verifisering av leveranser fase 3



Struktur – gjennomgående!



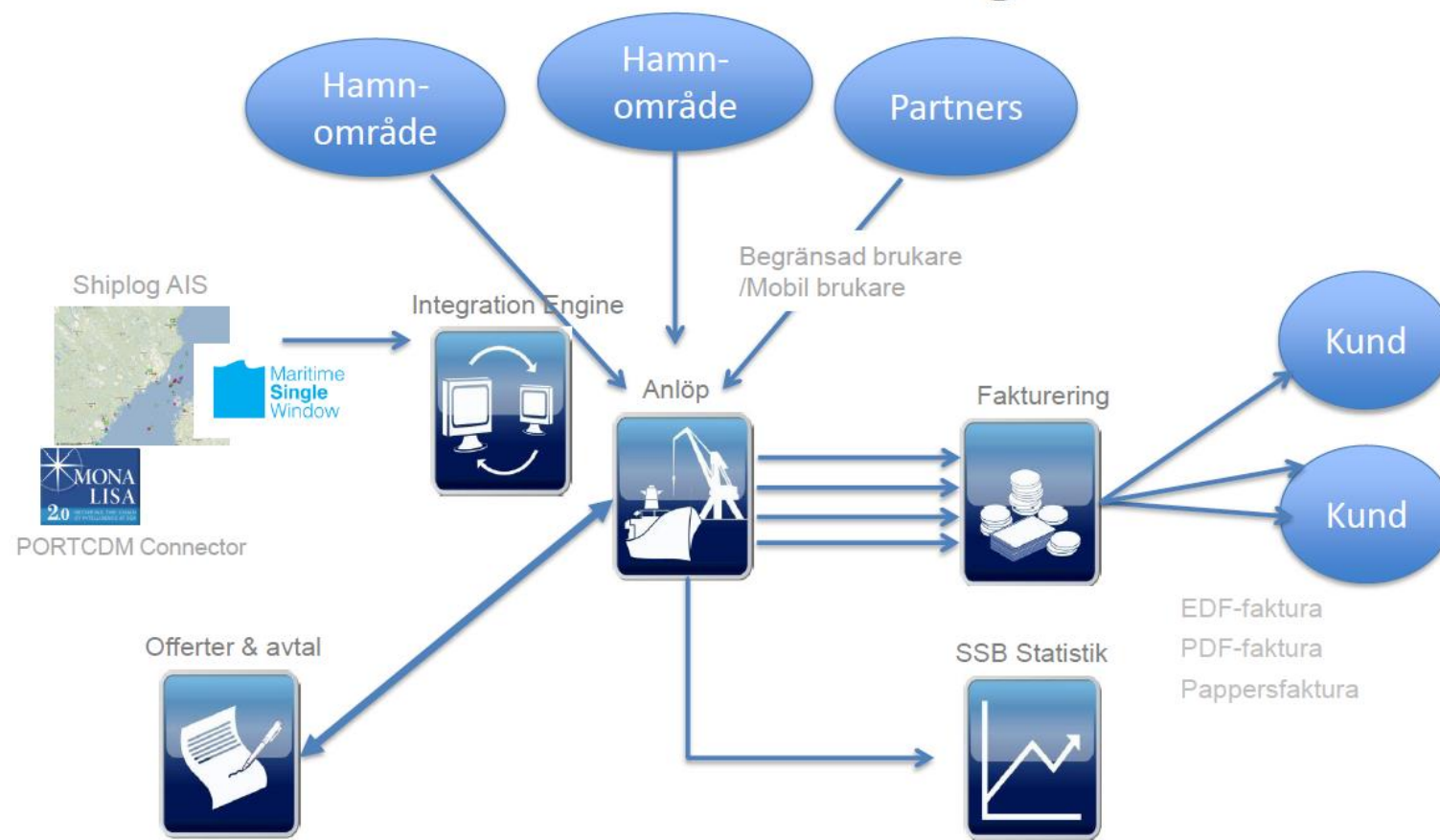
- Nytt objekthierarki og navngivning
- Eksisterende geografisk tilhørighet fra kommuner og SSB
- SSB sine koder for last
- Unngå egendefinisjon pga 1:1
- Fra objekt til økonomisystem
- SafeSeaNet



Leverandør nytt havnedatasystem



Enklare vardag



Detaljert prosjektplan fase 1, 2 og 3

Preliminary project plan Stavanger Havn				InPort	Kund	Comments	Vecka	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	#####	
--	--	--	--	--------	------	----------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	--



Tester for verifisering fase 1

1. Testfall 1 – Integration SafeSeaNet

- 1.1. Fartygsanmälan
- 1.2. Inläsning av eventuella passagerare (antal/nationalitet)
- 1.3. Inläsning av eventuellt avfall
- 1.4. Inläsning av eventuellt farligt gods
- 1.5. Inläsning av eventuell ESI-poäng (kopplat till fartygsregistret)
- 1.6. Inläsning av fartygsinformation

2. Testfall 2 – Integration AIS (Shiplog)

- 2.1. Ankomstsuppdatering av anløp
- 2.2. Avgångsuppdatering av anløp
- 2.3. Skapa anløp (vid korsande av hamnområde)
- 2.4. Skapa kaj

3. Testfall 3 – Integration Gate

- 3.1. Automatisk overføring av kunder från kundreg. i PORTIT till gate
- 3.2. Uppsättning av avtal i PORTIT
- 3.3. Inläsning av fakturaunderlag från gate till PORTIT

4. Testfall 4 – Integration Visma

- 4.1. Överföring kunder
- 4.2. Manuell överföring till Visma
- 4.3. Visa överförda och ej överförda fakturor till Visma

5. Testfall 5 – Övervakning av integrationer (EDIHandler)

- 5.1. Visa status på integrationer

6. Testfall 6 – Hantera anløp

- 6.1. Manuell registrering av anløp
- 6.2. Registrera ny kaj/skifta kaj
- 6.3. Uppdatera kaj
- 6.4. Registrera ny tjenst
- 6.5. Uppdatera tjenst
- 6.6. Använda avtal
- 6.7. "Påminnelse" angående avtal
- 6.8. Återrapportera tjenst
- 6.9. Registrera gods
- 6.10. Uppdatera gods

- 6.11. Visa aktive regulativ
- 6.12. Søkning på kryssningsfartug
- 6.13. Registrera kryssningsfartug

7. Testfall 7 – Upplagg av fasta projekt

- 7.1. Lägga upp ett fast projekt
- 7.2. Søk fast projekt

8. Testfall 8 – Statistik

- 8.1. Generera statistikkrapport till SSB (gods- och anløpsstatistik)
- 8.2. Ångra statistikkrapport

9. Testfall 9 – Boatman (mobil app)

- 9.1. Sätt søkkriterier som standard
- 9.2. Ångra hvilken typ av anløp som visas
- 9.3. Søk i applikationen
- 9.4. Visa førtøyningsinstruksjoner
- 9.5. Læs og oppdatera anmærkning
- 9.6. Læg til ny anmærkning
- 9.7. Visa planerte kajførhalninger

11. Testfall 11 – Gate

- 11.1. Registrera ny kund
- 11.2. Registrera sikkerhetsansvarig hos kund (kundadmin)
- 11.3. Skapa ansökan
- 11.4. Genomför kurs(er)
- 11.5. Godkänna ansökan
- 11.6. Tillverka ev. kort
- 11.7. Skicka fakturaunderlag
- 11.8. Registrera passager/leveranser
- 11.9. Söka/se besøkare på området (kontroller)
- 11.10. Se anløp till hamn
- 11.11. Registrera avvikelser
- 11.12. Övervaka ISPS områdene
- 11.13. Lägga till ny skärm
- 11.14. Visa en skärm
- 11.15. Læg til meddelande på skärm
- 11.16. Ta bort meddelande på skärm

12. Testfall 12 – Fakturering (anløp)

- 12.1. Faktureringsstatus

- 12.2. Urval
- 12.3. Skapa ny debiteringsrad
- 12.4. Kontroll kaj
- 12.5. Ångra debiteringsrad
- 12.6. Kopiera debiteringsrad
- 12.7. Særfakturera
- 12.8. Prissætt, kontera og debitera
- 12.9. Kontrollera kontering
- 12.10. Ångra prissættning og kontering
- 12.11. Ångra debitering
- 12.12. Læg til fritext
- 12.13. Ångra struktur på faktura
- 12.14. Ångra bokføringsperiode
- 12.15. Sätt nytt förfallodatum
- 12.16. Sätt kundreferens
- 12.17. Sätt betalningsvillkor
- 12.18. Fakturera
- 12.19. Kreditera faktura
- 12.20. Fakturalayout

13. Testfall 13 – Fakturering (övrigt)

- 13.1. Skapa nytt debiteringsnummer
- 13.2. Læg til debiteringsrad
- 13.3. Periodisera debiteringsrad
- 13.4. Prissætt, kontera, debitera
- 13.5. Radera periodisering
- 13.6. Radera debiteringsrad
- 13.7. Fakturera

14. Testfall 14 – Kundenpassninger

- 14.1. Baskontogenerering
- 14.2. Momskod på fartyg
- 14.3. Kundsummering og samfakturering

15. Testfall 15 – QlikView

- 15.1. Visningsval
- 15.2. Samtidig data
- 15.3. Aktuelle val, ta bort val og læs val



Erfaringer så langt

- SRHD er en liten organisasjon med begrenset antall personer i stand til å gjennomføre anskaffelsen.
- Veldig ressurskrevende å starte prosessen
 - Anbudsdokumenter
 - Kontrakter
 - Kravspesifikasjon
 - Bruk av advokat?
- Veldig ressurskrevende å evaluere
 - Må gjøres i henhold til anbudspapirene
 - Alt må sjekkes
 - Bedriftsinternt arbeid
- Tildeling medfører mest sannsynlig en eller flere andre parter som bestrider avgjørelsen
 - Krever oppfølging
 - Ikke en hyggelig jobb!
- Implementering
 - Kontinuerlig oppfølging av leverandør og tredjeparter



Hva har vi fått?

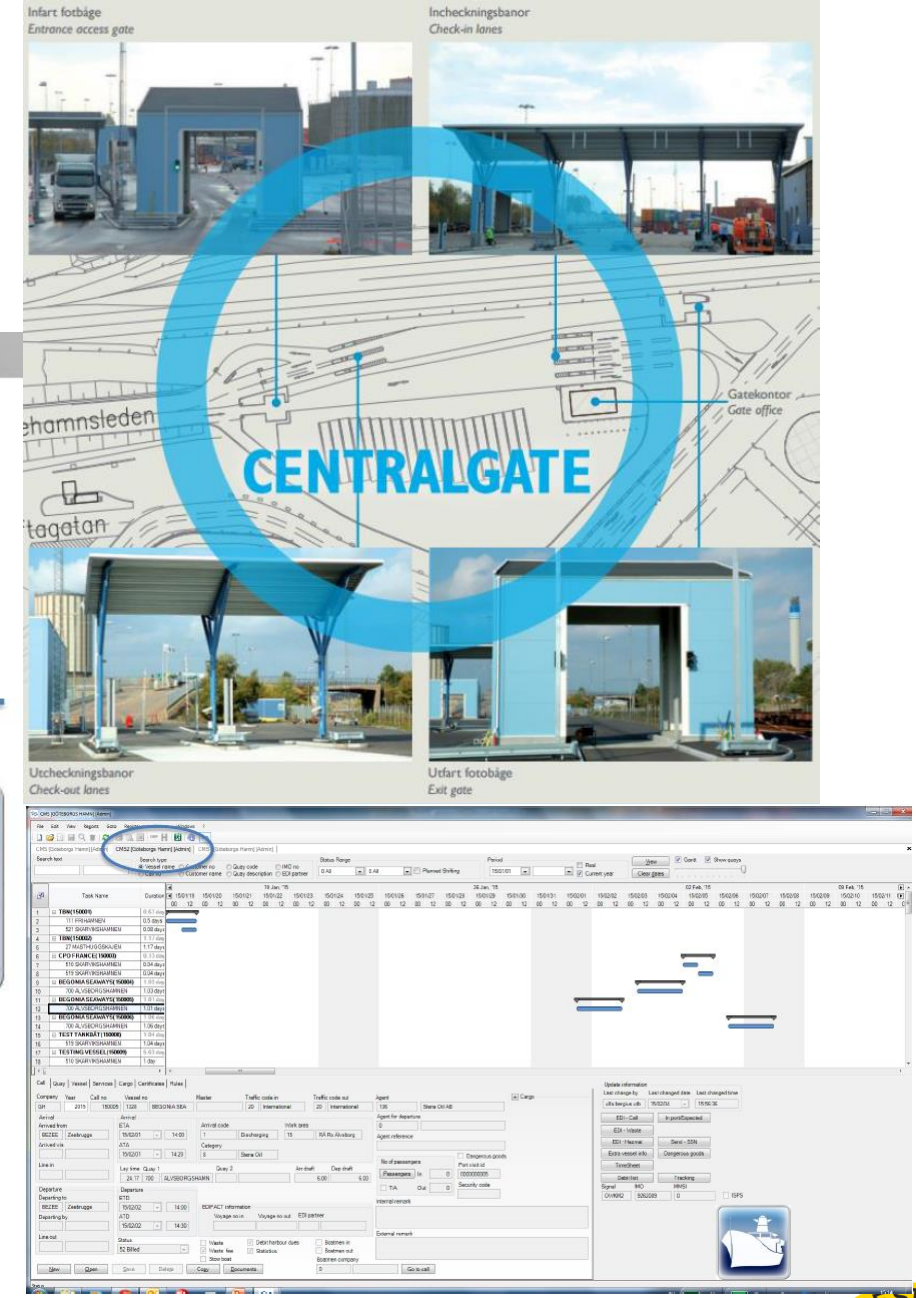
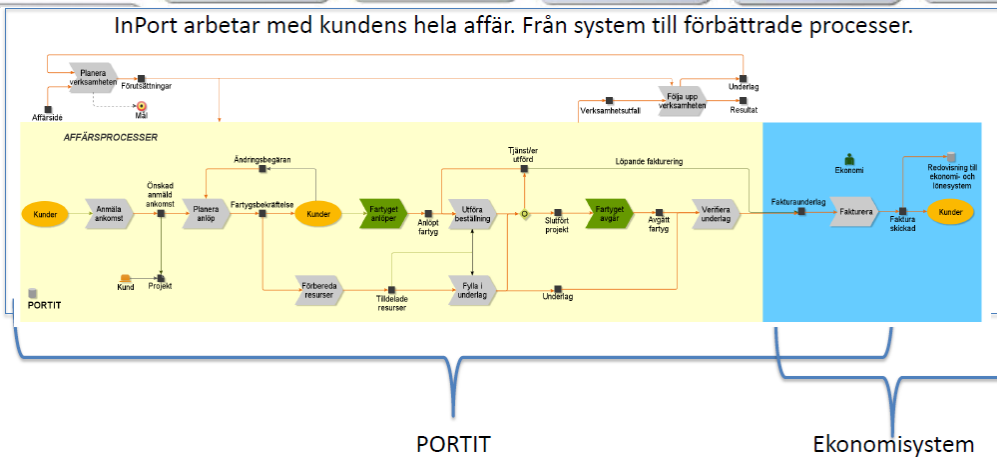
- **Meget god integrasjon til SSN:**
 - Inläsning av eventuella passagerare (antal/nationalitet)
 - Inläsning av eventuellt avfall
 - Inläsning av eventuellt farligt gods
 - Inläsning av eventuell ESI-poäng (kopplat till fartygsregistret)
- **Nyutviklet Gate-løsning, self-service:**
 - **Registrera säkerhetsansvarig hos kund (kundadmin)**
 - Security – Card orders : prosess søker må gjennomgå for å få tilgang til restricted area
 - Infoskjerm
- **Overvåkning av integrasjoner**
 - Aktiviteter – EDI
- **Integrasjonene vi hadde fra før**



 Test screen 2 20:47							
Arriving ships Ankomst							
ETA ETA	Arrived Ankom	Vessel Fartøy	Berth Kai	Contact Kontakt	ETD ETD	Remark Anmerk	
16:38	17:23	FAR SOLITAIRE	RZ				
00:00	00:00	KINGSTON	P02N		00:00		
18:56	19:07	BOKNAFJORD	P02N				
20:03	20:13	BOKNAFJORD	P02N				
10:00		MAERSK INTEGRATOR	RZ		10:00		

Modulbasert

- Hylleware – kjøp de moduler som en trenger og når.



Hva mer får vi?

- Lasteintegrasjon
 - Starter neste uke med integrasjon til aktører i regionen for automatisk rapportering av statistisk grunnlagsmaterieell i henhold til Statistikkloven.
 - Gjelder i første rekke: Asco, Fjordline, Westport, NorSea, Felleskjøpet.
 - De som ikke vil/kan må benytte en WEB app. for leveranse. Slutt på .pdf, .xlsx, word, epost osv
- Statistikk
 - All data som hentes inn kan det kjøres statistikk på.
 - Vil gi oss godt beslutningsgrunnlag.
- Handyman
 - Blir kvitt lapper mellom fagarbeider og havnevakt.
 - Høy grad av mobilitet.
 - Kan utvides
- PortCDM
 - Port call message standard

Connector



EDIFact



SafeSeaNet



ShortSeaXML



Reportal



PORTcdm



PapiNet



XML



Webservice



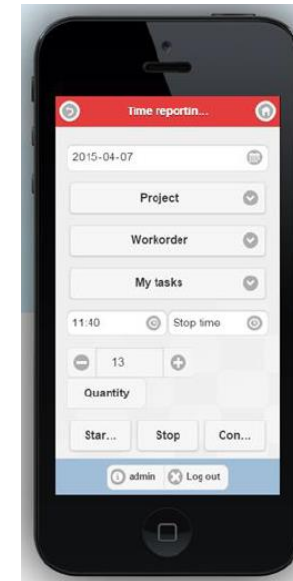
Flatfil / Excel



HTTP Post / FTP



mm...



++



Lett å endre navn, blir enda lettere??

Anbefaler dette!

Spørsmål?

Trond Andersen

maritim sjef / Manager Maritime Department

Stavangerregionen Havnedrift AS

(+47) 932 23 123

trond.andersen@stavanger.havn.no

Sentralbord (+47) 51 50 12 00

Strandkaien 46, 4005 Stavanger

stavanger.havn.no



**CLOSE
TO** *nature
professionals
business
the next destination*

LL#6 PortCDM Port of Stavanger 5.oktober.





CLOSE

TO

business
the North Sea
culture
the fjords



58°58'19.6"N 5°43'37.1"E

